सतगुरु ऐसी कृपा कीजो भवसागर तारण की

सतगुरु ऐसी कृपा कीजो,
भवसागर तारण की।bd।

तृष्णा लहर उठ न्यारी,
भंवर पड़ भारी,
नाव मेरी मझदारा हो रही,
डुबन की तैयारी,
सतगुरु ऐसी किरपा कीजो,
भवसागर तारण की।bd।

काम क्रोध घड़ियाल पड़ा है,
जंतु बड़ा भारी,
कर के विचार किनारों ढूंढू,
नजर थकी मारी,
सतगुरु ऐसी किरपा कीजो,
भवसागर तारण की।bd।

मल्लाह मेरे नजर ना आवे,
देख-देख हारी,
निज पुरुषा के काम ना आवे,
पच पच के हारी,
सतगुरु ऐसी किरपा कीजो,
भवसागर तारण की।bd।

भैरूराम जी सतगुरु मिल गया,
ल्याई जहाज भारी,
कमला जहाज पकड़ कर बैठी,
हो गई भव पारी,
सतगुरु ऐसी किरपा कीजो,
भवसागर तारण की।bd।

सतगुरु ऐसी कृपा कीजो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गायक / प्रेषक – बाबूलाल प्रजापत।
9983222294

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com